

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी कुचामन सिटी जिला नागौर(राज0)

<p>प्रार्थी राजस्थान राज्य सरकार जरिये तहसीलदार कुचामनसिटी जिला नागौर</p>	<p>→ प्रार्थनापत्र / सुनिश्चित करने का प्रस्ताव</p>
<p>किस्म मुकदमा प्रार्थना-पत्र धारा 131, 132 R.L.R.Act 1956 व नियम 58, 59, 60, 66, 86 राजस्थान भू-अभिलेख नियम 1957</p>	
<p>प्रार्थना-पत्र नम्बर 246/2021 GCMS No. 2021/ 320</p>	
<p>तारीख हुकम</p>	<p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>
<p>16.07.2021</p> <p>30/7/21</p> <p>17/8/21</p> <p>31/8/21</p> <p>10/9/21</p>	<p>राजस्थान राज्य सरकार की ओर से जरिये तहसीलदार कुचामनसिटी की ओर से प्रार्थना-पत्र धारा 131, 132 R.L.R.Act 1956 व नियम 58, 59, 60, 66, 86 राजस्थान भू-अभिलेख नियम 1957 के तहत प्रस्तुत किया। प्रार्थना-पत्र दर्ज रजिस्टर हो। पत्रावली दिनांक 30/07/2021 को वास्ते सुनवाई/उचित आदेशार्थ पेश हो।</p> <p>उपखण्ड अधिकारी कुचामन सिटी (नागौर)</p> <p>पत्रावली पेश हुई आज शौभान उपखंड अधिकारी राजस्थान सरकार के कार्यालय से बाहर पधारे हैं। अतः पत्रावली दिनांक 17.8.21 को पेश हुई।</p> <p>पत्रावली पेश हुई आज शौभान उपखंड अधिकारी राजस्थान सरकार के कार्यालय से बाहर पधारे हैं। अतः पत्रावली दिनांक 31/8/21 को पेश हुई।</p> <p>पत्रावली पेश हुई आज शौभान उपखंड अधिकारी राजस्थान सरकार के कार्यालय से बाहर पधारे हैं। अतः पत्रावली दिनांक 10/9/21 को पेश हुई।</p> <p>पत्रावली पेश हुई प्रकरण का अवलोकन किया गया। जमाबंदी अनुसार संबंधित खातेदारों की कतमाही नहीं देखी गई। प्रार्थना पत्र का किन्हीं खारिज हो। अतः प्रार्थना पत्र तहसीलदार के अज्ञान में खारिज किया जाता है। पत्रावली के द्वारा अज्ञान से खारिज किया जाता है। पत्रावली के द्वारा अज्ञान से खारिज किया जाता है। पत्रावली के द्वारा अज्ञान से खारिज किया जाता है।</p>



उपखण्ड अधिकारी
कुचामन सिटी (नागौर)